बहुसंयोजक प्रतिसर्पविष सीरम आई॰ पी॰

1॰ विवरण

तरल प्रतिसीरम : निलंबित कणमुक्त साफ से हल्का दूधिया, रंगहीन अथवा फीका पीला तरल ।
हिम-शुष्कीकृत प्रतिसीरम: क्रीम कलर का पाउडर अथवा गोली जो पुनर्संयोजित किये जाने पर साफ, रंगहीन अथवा फीका पीला तरल बन जाता है ।

2. संयोजन:

प्रतिसर्पविष सीरम की प्रत्येक 1 मि॰ली॰ मात्रा मानक विष की न्यूनतम निम्ननिर्दिष्ट मात्रा को निष्प्रभावित करती है

कोबरा 0.60 मि॰ग्रा॰, सामान्य करैत 0.45 मि॰ग्रा॰,रस्सेल वाइपर 0.60 मि॰ग्रा॰, सा स्केल वाइपर 0.45 मि॰ग्रा॰,

परिरक्षक : फिनोल अधिक से अधिक 0.25% डब्ल्यू ॰/वी॰

3.भंडारण:

शीत-शुष्कीकृत ऐंटीसीरम को ठंडे पानी और अंधेरे स्थान मे भंडारित करें तथा अधिक उष्मा से बचायें । तरल ऐंटीसीरम को +2 - 8^0से0 तापमान पर भंडारित करें और इसे जमने नहीं दिया जाना चाहिये ।

4. निष्प्रभावन:

तरल ऐंटीसीरम की निष्प्रभावनअवधि 24 महीने तथा हिम-शुष्कीकृत की 60 महीने होती है ।

5. उपचार/आवश्यकता:

भारतीय उप-महाद्वीप में पाये जाने वाले कोबरा,करैत और वाईपर जैसै जहरीले सांपों द्वारा काटे जाने का उपचार।

.6. हिम-शुष्कीकृत सीरम का पुनर्संजोयन (यदि लागू हो)

वायल में पड़ी हिम-शुष्कीकृत सीरम को तनुकारक की 10 मि0लि0 मात्रा के साथ धीर-धीरे हिलाकर मिलायें ।

7. सावधानिया:

अच्छी तरह हिलायें तथा सीरम को वायल से कीटाणिवहीन परिस्थयों में निकालें।
वायल में पड़ी सीरम को जमने न दें।
वायल में पड़ी सीरम को रोशनी से बचायें।

मात्रा एव उपयोग:

सीरम कि प्रारम्भिक मात्रा विषिकरण की निम्न-निर्दिष्ट मात्रा पर निर्भर करेगी:

विषिकरण	मात्रा
न्यूनतम (बढ़ती हुई स्थानीय सूजन, परंतु कोई वर्गीकृत लक्षण नहीं)	सामान्यतया 5 वायलें(50 मि॰ली॰) पर्याप्त होती हैं ।
मध्यम (काटे जाने के स्थान के अतिरिक्त स्थानो पर सूजन, हल्के वर्गीकृत लक्षण तथा/अथवा रक्त तथा तंत्रिका संबंधी विकृतियाँ)	5 - 10 वायलें(50- 100 मि॰ली॰)
गंभीर (शीघ्रता से बढ़ते हुए तथा विस्तारित स्थानीय प्रभाव, वर्गीकृत लक्षण तथा रक्त अथवा तंत्रिका संबंधी विकृतियाँ)	10-20 वायलें(100-200 मि॰ली॰) अथवा इससे भी अधिक मात्रा दी जानी चाहिए ।

बच्चों और छोटे वयस्कों (40 कि॰ग्रा॰से कम भार वाले) में विष कि कुछ अधिक मात्रा को निष्क्रियित करने के लिए प्रतिसर्पविष सीरम की 50% अधिक मात्रा दी जानी चाहिए ।

प्रतिसर्पविष सीरम की 1 मि॰ली॰ मात्रा का अतनुकृत टीका प्रति मिनट के हिसाब से अंत:शिरा रूप में दिया जाना चाहिए अथवा अंत:शिरा तरल की 500 मि॰ली॰ मात्रा में तनुकृत करके 1 - 2 घंटे के अंदर सहनीय शीघ्रता से दिया जाता है ।

इसके अतिरिक्त काटे हुए स्थान से सूजन समाप्त होने तथा वर्गीकृत लक्षणों समाप्त हो जाने तक 5-10 वायलों (50 - 100 मि॰ली॰) का टीका प्रति घंटा के हिसाब से दोहराया जाना चाहिए ।

सीरम कि पर्याप्त मात्रा प्राप्त कर लेने के पश्चात रोगियों के नैदानिक लक्षणों में सामान्यतया नाटकीय सुधार आता है ।

काटे जाने वाले स्थान पर प्रतिसर्पविष का छिडकाव उचित नहीं है ।

संवेदनशीलता परीक्षण :प्रतिसर्पविष सीरम के संवेदनशीलता परीक्षण हेतु सीरम की 0.1 मि॰ली॰ मात्रा को ^इंजेक्शन हेतु विसंक्रमित जल -आई॰पी॰^ में तनुकृत करके उसका टीका अंत:त्वचीय रूप में रोगी को दिया जाता है। रोगी को किसी भी स्थानीय अथवा सामान्य प्रतिक्रिया के लिए 30 मिनट तक पर्यवेक्षणाधीन रखा जाना चाहिए । कोई भी प्रतिक्रिया न होने की स्थिति में उपचार प्रारम्भ कर दिया जाना चाहिए । रोगी में यदि स्थानीय प्रतिक्रिया अथवा एनाफिलेक्टिक लक्षण दिखाई दे तो प्रतिसर्पदंश सीरम डिसेन्सीटाइजिंग करने के बाद तथा/अथवा एंटी-एनफ़िलेक्टिक ड्रग्स के साथ दी जानी चाहिए ।

9. आपूर्ति:

प्रतिसर्पदंश सीरम तरार/हिम-शुष्कीकृत की आपूर्ति 10 मि॰ली॰ में की वायलों में की जाती है ।

10. निषिद्ध उपचार/चेतावनियाँ

- अतिसंवेदनशीलता परीक्षण नेगेटिव होने के बावजूद भी उपचार के दौरान अथवा बाद में एनफ़िलेक्टिक प्रतिक्रियाएँ हो सकती हैं ।
- एनफ़िलेक्टिक प्रतिक्रियाएँ परीक्षण मात्रा के साथ भी हो सकती हैं ।
- ऐसे मामलों के प्रबंधन हेतु आवश्यक सुविधाएं तैयार रखी जानी चाहिए ।

प्रतिकूल प्रतिक्रियाएँ (यदि हों):

प्रतिसर्पदंश सीरम क्योंकि अश्वों से बनाई जाती है इसलिए विषमजात सीरम दिये जाने पर सभी प्रतिकूल प्रतिक्रियाएँ हो सकती हैं । तात्कालिक प्रीतिक्रिया हल्के से गंभीर एनफ़िलेक्टिक प्रतिकृया हो सकती है जबकि विलंबित प्रतिकृया प्रतिरक्षण जटिलता रोग तथा सीरम संबंधी हो सकती है ।